संभव नहीं है। बिहार श्रम आपूर्ति राज्य के टैग से निकलना चाहता है। यह टैग हमारे ऊपर औपनिवेशिक शासन काल से आज तक लगा हुआ है। स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन की बात होती है। ये पूरे देश में 378 हैं और 265 ऑपरेशनल हैं, लेकिन बिहार में एक भी नहीं है। मेरी सरकार से मांग है कि बिहार को सिर्फ वोटिंग स्टेट मत मानिए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, जो हमारे ओडिशा के साथी भी कह रहे हैं, हमारे आंध्र प्रदेश के साथी भी कह रहे हैं, लेकिन सबसे पुरानी मांग हमारी थी। सर, जब झारखंड बना, तो बिहार के हिस्से में धूल, धूप और वर्षा के अलावा कुछ नहीं बचा। हमें भी प्रगति के नियामक पार करने हैं और वह तब तक संभव नहीं है... हमारे कई साथी, जो हमारे साथ काम कर चुके हैं, वे यह कहते हैं कि विशेष राज्य का दर्जा न दे सको, तो विशेष पैकेज दो।

(**सभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

सर, विशेष राज्य और विशेष पैकेज के बीच में 'या' नहीं है। बिहार को 'या' स्वीकार नहीं है। विशेष राज्य का दर्जा भी चाहिए और विशेष पैकेज भी चाहिए। सर, एक चीज कहूंगा कि बिहार की प्रगति और विकास के मानदंड की जब चर्चा हो, तो बिहार को संवेदना से देखने की जरूरत है। बिहार को सिर्फ चुनाव के वक्त में नहीं देखने की जरूरत नहीं है। अभी पांच स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स - मैं आग्रह करूंगा, सरकार के सर्वेसर्वा हैं और अध्यक्ष भी हैं - ये जोन्स बोधगया, फतुहा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और एक कोसी के क्षेत्र में होना चाहिए। न सिर्फ पूरा बिहार, बल्कि भाजपा के हमारे मित्र भी जानते हैं कि विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज में 'या' नहीं होना है, हमें दोनों चाहिए। हम संसद में मांगेंगे और सड़क पर मांगेंगे। जय हिन्द!

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Manoj Kumar Jha: Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Ramji (Uttar Pradesh), Shri A.A. Rahim (Kerala), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Dr. John Brittas (Kerala).

Concern over effects of Global warming in the country

श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई (गुजरात) : सभापति महोदय, आज मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान एक गंभीर मुद्दे पर केंद्रित करना चाहता हूं। महोदय, ग्लोबल वार्मिंग की बड़ी प्रॉब्लम है। सभी इंसान प्रकृति के पंच तत्व से बने हुए हैं। प्रकृति के पांचों तत्वों की रक्षा करना हमारा सबका धर्म है। पृथ्वी, आकाश, अग्नि, वायु और जल, इन पांचों तत्वों को सही करना भी हमारी जिम्मेदारी है। हमारी नदियां गंगा-यमुना और सरस्वती को हम माता की तरह पूजते हैं।

उनका नीर, जल अच्छा करना चाहिए। जो हमारे समुद्र तट हैं, उनको भी अच्छा करना जरूरी है। हमारे जो हिल स्टेशन्स हैं, वहां भी बहुत सारी प्रॉब्लम्स हैं। हमारी जलवायु में बहुत बदलाव आ रहा है। हमारे गुजरात में अभी बहुत बारिश हुई है। इससे हमारे किसानों के खेतों में तीन-तीन, चार-चार फुट पानी भर गया है।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Babubhai Jesangbhai Desai: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shri Jose K. Mani (Kerala), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand) and Dr. Fauzia Khan (Maharashtra).

12.00 **NOON**

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. CHAIRMAN: Now, Question Hour.

Projects to improve and increase groundwater level

*1. SHRI KESRIDEVSINH JHALA: Will the Minister of JAL SHAKTI be pleased to state:

(a) whether there is any project to improve groundwater level in the country, if so, the details thereof;
(b) whether there is any plan to deepen water bodies such as lakes/dams/ reservoirs so as to increase the water storage capacity;
(c) whether Government is updating the technology to clean rivers and water bodies; and
(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF JAL SHAKTI (SHRI C. R. PATIL) (a) to (d): A statement is laid on the Table of the House.